

27/11/21

29 7
24

करीब कारी उप० नहीं, करी
आकाश लगावई गरी, कोई आकाश
1 व कालन उप० नहीं,

अनः इका कारी उप०
राजरो, ऊरुय ऐरकी से खानि
किमा जाना है

पञ्जावली कल्ल सुकर
हिकर कर नकमीर इ. रिकर
इकर है)

सप जिला कलकत्ता
लवाण

